नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

दवा निगरानी व्यवस्था पर सवाल

छिंदवाड़ा जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से 11 बच्चों की हुई मौत ने पूरे प्रदेश को गहरे सदमे में डाल दिया है. इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि औषधि सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासनिक निगरानी में कई गंभीर खामियां हैं. यह हादसा केवल एक जहरीले सिरप का परिणाम नहीं, बल्कि उन चूकों का भी परिणाम है जो समय रहते रोकी जा सकती थीं.

प्रदेश सरकार ने घटना को गंभीरता से लेते हुए कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर पूरे मध्यप्रदेश में तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है. दवा प्रिसक्राइब करने वाले डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने न केवल इस सिरप, बल्कि इसे बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा (कांचीपुरम, तमिलनाडु) के अन्य उत्पादों पर भी बैन लगाने का निर्देश दिया है. तमिलनाडु सरकार से प्राप्त जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा 48.6 फीसदी तक पाई गई—जो किसी भी सुरक्षित सीमा से कई गुना अधिक है. यही वह तत्व है जो बच्चों की किडनी को प्रभावित कर जानलेवा सिद्ध हुआ. केंद्र और राज्य स्तर पर कार्रवाई की गति भले ही तेज रही हो, लेकिन स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की सुस्ती पर सवाल उठना स्वाभाविक है. परासिया ब्लॉक में जब बच्चों में लगातार उल्टी, दौरे और किडनी फेल होने के लक्षण सामने आए, तब भी स्वास्थ्य अमले ने इसे सामान्य विषाक्तता समझकर शुरुआती जांच में देर की. यदि तत्काल सतर्कता दिखाई जाती और संदिग्ध सिरप को समय रहते प्रतिबंधित किया जाता, तो संभवत: इतनी जानें नहीं जातीं.

औषधि नियंत्रण विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. प्रदेश में बाजार में बिक रही दवाओं के नियमित सैंपल परीक्षण और क्वालिटी सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया अक्सर औपचारिक बनकर रह जाती है. छिंदवाड़ा जैसे जिलों में जहां दवा वितरण का नेटवर्क जटिल है, वहां निरीक्षण तंत्र की सक्रियता बेहद जरूरी है. लेकिन इस प्रकरण ने दिखाया कि निरीक्षण प्रणाली न तो नियमित है और न ही पर्याप्त रूप से सशक्त. तमिलनाडु के औषधि नियंत्रक ने कोल्ड्रिफ सिरप को अमानक घोषित करते हुए मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की है. वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स नागपुर के विशेषज्ञों की संयुक्त टीम भेजी है, जो नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर रही है. इन कदमों से स्पष्ट है कि मामला केवल एक जिले तक सीमित नहीं, बल्कि औषधि उत्पादन और वितरण की पूरी प्रणाली की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े करता है.

मध्यप्रदेश के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सभी जिलों के औषधि निरीक्षकों को कोल्ड्रिफ सहित श्री सन फार्मा की अन्य दवाओं की बिक्री तत्काल बंद करने के निर्देश दिए हैं. लेकिन यह कार्रवाई घटना के बाद आई—जब नुकसान हो चुका था. आवश्यकता इस बात की है कि राज्य में दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाई जाए और प्रत्येक उत्पाद के लिए प्री-मार्केट वेरिफिकेशन की सख्त व्यवस्था हो.

यह घटना सिर्फ एक कंपनी या एक जिले की गलती नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति लापरवाही की सामूहिक चेतावनी है. बच्चों की मौत से उपजा यह शोक एक स्थायी सबक बनना चाहिए—कि किसी भी औषधि को बाजार में पहुंचने से पहले उसकी शुद्धता, प्रमाणिकता और सुरक्षा सुनिश्चित हो. राज्य सरकार ने फिलहाल सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं, किंतु अब जरूरी यह है कि स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली में सुधार लाए. जनता के जीवन से जुड़ी ऐसी त्रासदी दोबारा न दोहराई जाए—यही इस दु:खद घटना से निकला सबसे बड़ा सबक है.

स्वास्थ्य की रक्षा या बीमा उद्योग का उद्धार?

निजी अस्पतालों का मानना है कि सीजीएचएस के इलाज पैनल पर होने से उनके यहां रोगियों की संख्या बढ़ती है और सरकार द्वारा रियायती दरों पर इलाज, जांच, सर्जरी, परामर्श देने के बावजूद उनकी आमदनी का वॉल्यूम बढ़ता है. सवाल है कि निजी अस्पतालों में इसी सीजीएचएस दर पर देश की बाकी सभी आबादी के इलाज की व्यवस्था प्रदान किए जाने में किसी लोक कल्याणकारी सरकार के लिए क्या हर्ज है? यदि सभी जनता को इस सीजीएचएस जैसी केंद्र और इसी सरीखी राज्य सरकारों की स्कीम के दायरे में ला दिया जाए तो देश में मौजूद सीमित सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर लगने वाली भीड़ का बड़ा बोझ कम हो जाएगा.

जीएसटी की नई रिजीम में जिसे सबसे ज्यादा रियायत मिली, वह है स्वास्थ्य बीमा! स्वास्थ्य बीमा की प्रीमियम रकम पर पहले जहां 18 प्रतिशत जीएसटी लागू थी. वहीं अब यह शून्य हो चुकी है. जाहिर है इस कदम से देश की अधिकाधिक आबादी स्वास्थ्य बीमा की ओर मुखातिब होगी. बीमा नियामक प्राधिकरण यानी इरडा के मुताबिक देश की केवल छह करोड़ आबादी जो देश की कुल आबादी की 5 प्रतिशत है, सिर्फ स्वास्थ्य बीमा के दायरे में शामिल हो पाई है. संभव है जीएसटी से पूरी तरह से मुक्त किए जाने के बाद अब देश की ज्यादा आबादी स्वास्थ्य बीमा की पॉलिसी खरीदे. मगर सवाल ये है कि क्या सरकार देश की 140 करोड़ की आबादी की स्वास्थ्य रक्षा करना चाहती है या वह स्वास्थ्य बीमा का उद्योग पनपाना चाहती है? कोई भी बीमा चाहे स्वास्थ्य बीमा हो, जीवन बीमा हो या वाहन बीमा या किसी भी तरह का बीमा हो वह एक जोखिम का व्यवसाय है.

स्वास्थ्य बीमा के दायरे में सभी तरह की स्वास्थ्य सेवाओं को रखे जाने की अवधारणा पश्चिम के विकसित देशों में काफी है. मगर पश्चिमी देशों में स्वास्थ्य सेवाओं को मुहैया कराने में वहां की बीमा प्रणाली और बीमा क्लेम के तरीके भ्रष्टाचार से ग्रस्त नहीं है. इसी तरह वहां हर श्रेणी की बीमारी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में शामिल की गई है. भारत में निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के दबाव में जो स्वास्थ्य बीमा का व्यवसाय है, वह अनेकानेक अव्यवस्था और भ्रष्टाचार से लबरेज है. कहीं कैशलेस इलाज नहीं होता, कहीं कई रोग उस बीमा के दायरे में शामिल नहीं किए जाते, कहीं अस्पतालों द्वारा बीमा कंपनियों से मनमाने इलाज बिल लिए जाते हैं, तो कहीं रोगियों को बीमा कंपनियों से अपने इलाज बिल के भुगतान के लिए महीनों चक्कर लगाना पड़ता है. डॉक्टर अस्पताल प्रबंधन के निर्देश पर मरीज के इलाज में अतिरिक्त खर्चे करवाते हैं और बीमा कंपनियां उसे वहन करने को तैयार नहीं होतीं.

कुल मिलाकर अस्पतालों और मेडिकल बीमा कंपनियों के बीच एक नेक्सस यानी नापाक गठबंधन की स्थिति मौजूद है. पीएम आरोग्य योजना भी एक तरह से स्वास्थ्य बीमा योजना है, जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे की आबादी और अब जाकर 70 साल से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य बीमा की एक निर्धारित तय राशि सरकार द्वारा इलाज किए जाने वाले अस्पताल को अदा की जाती है. मगर भारत में स्वास्थ्य बीमा चाहे वह सामान्य बीमा कंपनियों द्वारा किया जाए या फिर पीएम आरोग्य योजना के तहत जिनका कवरेज हुआ है, ये केवल टाइप 3 श्रेणी की बड़ी बीमारियों के इलाज का खर्च वहन करती हैं, वह भी लिमिटेड स्तर तक. इनमे रोजमर्रा की तमाम बीमारियां यानी टाइप 1 और 2 कवर नहीं होतीं. ऐसे में रोगी को या तो सरकारी अस्पतालों में भेड़-बकरियों की तरह रोगियों की भीड़ का हिस्सा बनना पड़ता है या फिर निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों में हजारो-लाखों का बिल देना पड़ता है. सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्था, कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार व दुर्व्यवहार का हर तरफ नजारा दिखता है.

देश में छोटे और बड़े निजी अस्पतालों और उनमें कार्यरत डॉक्टरों की भरमार हैं. उन्हें लूट की छूट है और किसी भी नियमन और नियंत्रण के दायरे में इन्हें नहीं रखा गया है. केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवा यानी %सीजीएचएस% के तहत कुछ खास लोगों जिसमें सांसद, मंत्री, सरकारी कर्मचारी शामिल हैं, उन्हें सीजीएचएस कार्ड प्रदान किया गया है. इसके तहत सीजीएचएस क्लीनिक में इनका इलाज होता है, साथ-साथ बड़े निजी अस्पतालों को भी सरकार द्वारा निर्धारित रियायती दरों पर इन कार्ड होल्डर्स के इलाज के लिए अधिकृत किया गया है.

-मनोहर मनोज

विंध्य की डायरी

गांधी स्टाइल में विधायक का सत्याग्रह

डा. रवि तिवारी

रीवा की आठ विधानसभा सीटो में सबसे हाट विधानसभा सीट सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा अपनी गांधी स्टाइल के वजह से एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए. गांधी जयंती पर गांधी स्टाइल में बापू की तस्वीर रखकर कलेक्ट्रेट द्वार पर विधायक मौन सत्याग्रह पर बैठ गये. फिर क्या था प्रशासन में भी खलबली मच गई. आनन-फानन एसडीएम आदि पहुंचे और विधायक की पीड़ा सुनी. एसीएस की संभागीय बैठक में न बुलाए जाने से दु:खी विधायक ने आपत्ति दर्ज कराई और कहा उनके विधानसभा के साथ भेदभाव किया जाता है. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के मौन शक्ति को अपनाते हुए सत्याग्रह के पीछे उनका उद्देश्य विकास और पारदर्शिता की मांग पुरजोर तरीके से रखना था. विधायक ने कहा कि गांधी जी की प्रेरणा के अनुरूप मैने सत्याग्रह किया.

अहिंसा के पुजारी बापू के सिद्धांतों पर विधायक जी कितना चलते है यह तो उनके साथी और राजनीति के जानकार बखूबी जानते है. बहरहाल मौन सत्याग्रह के बहाने अपनी मन की भड़ास निकालते हुए प्रशासन को सवालो के कटघरे में जरूर खड़ा कर दिया है. विधायक ने चुनौती देते हुए कहा कि राजनीति में मैं ईमानदार हूं, कोई राजनीति में मेरी बेईमानी बता दें. . विधायक की तरह स्थानीय जन मुद्दो को लेकर कांग्रेस संगठन को भी रीवा में गांधीवादी तरीके से प्रशासन को घेरना चाहिए. भले ही इसके अगुवा सेमरिया विधायक ही हो.

अविश्वास के लिये जोर आजमाइश

सिंगरौली नगर निगम में राजनीतिक घमासान मचा हुआ है, कांग्रेस, आप और बसपा पार्षदो ने निगमाध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. 22 पार्षदो ने कलेक्टर को अविश्वास प्रस्ताव के लिये पत्र सौपा है. यहा भाजपा के निगमाध्यक्ष और आप की महापौर के बीच खीचतान चल रही है. दरअसल अध्यक्ष देवेश पाण्डेय के अविश्वास प्रस्ताव के पीछे एक अलग कहानी है.

यहा महापौर रानी अग्रवाल ने जो वादे किये थे उन्हे तो पूरा किया नही और भ्रष्टाचार के आरोप के साथ उन्हे घेरा जा रहा है. भ्रष्टाचार के मामले को दबाने के लिये अविश्वास प्रस्ताव के लिये जोर आजमाइश चल रही है ताकि असल जो मुद्दा है वह दब जाय. भ्रष्टाचार को छिपाने के लिये कहीं न कहीं यह राजनीति चल रही है. वैसे भी अविश्वास के लिये एक तिहाई बहुमत चाहिए जो नही है. वर्तमान 44 पार्षदो में से 32 पार्षद चाहिए, जबकि 22 पार्षद ही सामने आए है. कुल मिलाकर भ्रष्टाचार के मुद्दे से भटकाने के लिये यह नया खेल शुरू किया है.

आप की 'रानी' को लगा झटका

आम आदमी पार्टी प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद अपना दमखम दिखा नही पाई और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच अपनी पहचान बनाने में असफल रही. सिंगरौली मेयर और आप प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल को बड़ा झटका लगा है. लगातार मिल रही शिकायत और अध्यक्ष के खिलाफ चल रहे विरोध के चलते प्रदेश कार्यकारिणी भंग कर दी गई है. राष्ट्रीय संयोजक तक लगातार शिकायते पहुंच रही थी. परिणाम स्वरूप प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने के साथ प्रदेश में संगठन के पुनर्गठन में सहायता के लिये एक समिति का गठन किया गया है. कार्यकारिणी भंग होने से प्रदेश अध्यक्ष और उनके समर्थको को भारी झटका लगा है साथ ही अब उनके विरोधी भी खुशी के साथ मुखर हो गये है.

इस्लामिक नाटो सिर्फ ख्याली पुलाव

पाकिस्तान की पोल खुल चुकी है कि वह न्यूक्लियर ताकत और इस्लामी पहचान का पत्ता खेलकर मुस्लिम दुनिया से आर्थिक मदद बटोरने की फिराक में है. सबको डर है कि उसके परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग सकते हैं.

अरब, इस्लामिक या मुस्लिम नाटो की चर्चा एक बार फिर से तेज है. 40 से ज्यादा अरब और इस्लामिक देश अपनी सुरक्षा के लिए पश्चिमी देशों के गठबंधन नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) की तरह एक अलग संगठन बनाने वाले हैं. नाटो के अनुच्छेद 5 की तरह ही इसके किसी भी देश पर हमला सभी देशों पर आक्रमण माना जाएगा और सारे इस्लामिक देश उस पर टूट पड़ेंगे. पहला खेमा अमेरिका और नाटो देशों का, तो रूस, बेलारूस, ईरान और उत्तर कोरिया का दूसरा. अब अगर 25 देशों का मुस्लिम नाटो बना तो ये तीसरी ताकत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति होगी. बीते महीने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक गठबंधन के बाद कहा गया कि अब इसकी शुरुआत हो गई. कतर पर इजराइली हमले के बाद हुए आपातकालीन अरब-इस्लामी सम्मेलन में इसका प्रस्ताव रखा गया. इस्लामी नाटो का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ पर मिस्र, ईरान, पाकिस्तान आदि के नेताओं ने साझा सुरक्षा के लिए सैन्य संसाधन की एकजुटता की बात कही. मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने अरब नाटो बनाने की सूरत में 20,000 सैनिक तुरंत देने का दावा किया. ईरान ने इसे इस्लामिक नाटो नाम देने की वकालत की तो कुछ अरब देशों ने इसे मजहबी पहचान से बचाने और क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन के बतौर पेश करने के लिए इसका नाम अरब सुरक्षा संगठन ही ठीक समझा. डोनाल्ड ट्रंप खुद को सबका मध्यस्थ साबित कर नोबेल लेने की कोशिश में गाजा में युद्ध की स्थिति को सुलझाने के लिए इजराइल से और इस्लामिक देशों की सुरक्षा के लिए मुस्लिम नेताओं से बात कर सकते हैं, पर क्या यह कवायद इस्लामिक नाटो जैसे संगठन निर्माण के लिए होगी? इस्लामिक नाटो के मूल में है इजराइल से टक्कर.

संजय श्रीवास्तव

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

विदेशी माल को तुरंत ठुकराओ वोकल फॉर लोकल अपनाओ

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को वोकल फॉर लोकल बनने को कहा है. हमें इसका मतलब समझाइए.

हमने कहा, यह बड़ी सारगर्भित बात है जिसे आप अमृत काल का अमृत वचन मान सकते हैं. जल्दी से जल्दी वोकल फॉर लोकल का मंत्र अपनाइए, ऐसा करेंगे तो आपको राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का बोध होगा और मन को असीम शांति मिलेगी.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, किसी भी चीज का पहले अच्छे से मतलब जान लेना चाहिए. आप नहीं बताएंगे तो हम डिक्शनरी देख लेंगे या गूगल में चेक करेंगे कि वोकल फॉर लोकल का अर्थ क्या है? वैसे हर मुंबईवासी लोकल के बारे में जानता है. लोकल ट्रेन मुंबई की लाइफलाइन या जीवनरेखा है. इसमें भीड़ के धक्के से आप घुस जाते हैं और वैसा ही धक्का लगने से आप उतर जाते हैं. लोकल के लंबे सफर में लोग टैबलाइड पेपर पढ़ते हैं अथवा चौतरफा करके अखबार पर निगाह डालते हैं. जिसे काम पर जाना है, वह पूरी तरह सजग रहता है कि लोकल मिस नहीं होनी चाहिए.

हमने कहा, प्रधानमंत्री का लोकल से आशय लोकल ट्रेन नहीं है. आपको समझ का फेर हो गया है. अब आप बताइए कि वोकल किसे कहेंगे?

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, जिसको बहुत ज्यादा बोलने की आदत है और जिसकी जुबान कैंची को तरह चलती है, वह वोकल होता है. नेता और वकील दोनों ही वोकल या वाचाल होते हैं. गूंगा आदमी कभी वोकल नहीं हो सकता. शत्रुघ्न सिन्हा को ज्यादा बोलने वाले पसंद नहीं हैं इसलिए फिल्म में उनका जोरदार डायलाग रहता है खामोश!

हमने कहा, आपके मोटे दिमाग में पीएम की बात नहीं उतरी. वोकल फॉर लोकल का तात्पर्य है- स्वदेशी या स्थानीय वस्तुएं अपनाओ और दुकानदार से वही देने का आग्रह करो. दूसरों को भी स्वदेशी के लिए प्रेरित करो. खुलकर बोलो कि हमें सिर्फ लोकल माल ही चाहिए. ऐसी चीज मत खरीदिए जिसका पैसा विदेश जाता है. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटाप, टीवी, कार सभी में विदेशी कंपोनेंट लगे रहते हैं. कैंची, नेलकटर भी मेड इन चाइना या कोरिया होते हैं.

हमने कहा, फिर भी आप वोकल बनकर लोकल ही मांगिए. याद रखिए-देश की मिट्टी, देश की हवा, देश का पानी, देश की दवा!

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12043

-डॉ. सागर खादीवाला

1	2	■	3	4		5	■
6		■	7		■	8	9
10		11		■	12		
■	■	13		14		■	
15	16		■		■	17	■
18		■	19	■	20		21
	■	22		23		■	
24					■	25	

ऊपर से नीचे

1. आसमान 2. समस्त, सकल, सब, तालाब, झील, पोखर 3. पाठशाला (उर्दू) 4. हंसी, दिल्लगी 5. जाली, बनावटी 9. धिक्कार, भर्त्सना (उर्दू) 11. रात, निशा 12. कर्ण, श्रवणेंद्रिय 14. आठ चावल की एक पुरानी तौल 15. किसी कला को जानने या कलापूर्ण कार्य करने वाला 16. चोट, आघात 17. कंदरा, गुफा 19. लक्ष्मी 20. निवाला 21. आकर्षण (उर्दू) 22. चंद्रमा, अमृत (सं.) 23. दही मथने की लकड़ी, मथानी

बाएं से दाएं

1. आशा, सहारा, भरोसा 3. श्रेष्ठजन, बड़ा आदमी, साहूकार 6. बोतल का डाट, कौवा 7. कसावट, अर्क 8. हुनर 10. पाजीपन, नटखट होने का भाव 12. गालीचा 13. बलपूर्वक, जबरदस्ती 15. लोहे की लचीली और झुकावदार पट्टी, घड़ी का एक पुरजा 18. मुंह से निकलने वाला लसदार तरल द्रव्य, लुआब 20. खरीददार, क्रेता 22. सोमलता का रस 24. दूध से बनी एक मिठाई 25. उत्साह, आवेश, उफान (उर्दू)

Solution 12042

सी	मा	■	पे	टा	इ	श	■
ख	न	क	ना	■	ति	त	ली
ना	नी	■	■	ग	■	क	ल
■	य	शो	ध	रे	य	■	ना
स	■	भ	■	बा	ह	र	■
त्या	■	ना	गि	न	■	स	न
ना	मी	■	न	■	ब	गा	त
श	र	ब	ती	■	स	ज	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में सफलता मिलेगी, पद का लाभ प्राप्त होगा, व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, धार्मिक कार्यो के संलग्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, मित्र के कारण कार्य में व्यवधान आ सकता है, व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ प्राप्त होगा, सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियो को कार्यो में व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शालीनता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सन्दर, सुशील, चंचल और आकर्षित व्यक्तित्व का होगा, अपने माता पिता का ध्यान रखेगा, स्वास्थ्य से चंचल और उग्र होगा, अपने मनमर्जी का मालिक होगा, व्यवसाय आदि में कार्यो में अच्छी रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

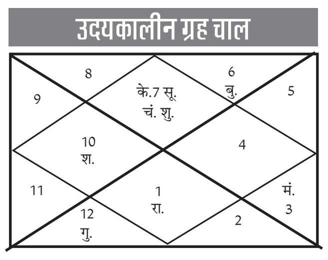

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल पूर्णिमा भौमवासरे दिन 9/34, रेवती नक्षत्रे रात 3/40, ध्रुव योगे दिन 1/45, वव करणे सू.उ. 6/10, सू.अ. 5/50, चन्द्रचार मीन रात 3/40 से मेष, पर्व- स्नान-दान पूर्णिमा, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4, 5, 8, 9, 11 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल पूर्णिमा को रेवती नक्षत्र के से सोना, चांदी, धातु, आदि गेहूॅ, जौ, मटर, ज्वार, में मंदी होगी, गुड़, खांड़, शक्कर, अलसी, पारा, हींग, में तेजी होगी. भाग्यांक 1408 है.

मेष- अनावश्यक कार्यो में समय नष्ट होगा, किन्तु आपकी सूझबझ और सतर्कता से काम सम्हल जायेगा, कोई रूका कार्य बनेगा, शुभ सूचना मिलेगी.

वृषभ- सकारात्मक सोच से मामले सुलझेंगे, किसी मांगलिक कार्य में आपकी उपस्थिति सुखद रहेगी, कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

मिथुन- कामकाज पूरा होगा, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय व खरीदी के कार्यो में सतर्कता बांछनीय, सम्मान मिलेगा.

कर्क- कुटुम्बियों से सुख एवं सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी, शुभ संदेश प्राप्त होने का योग.

सिंह- नये वाहन का सुख मिलेगा, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, उत्साह बढ़ेगा, पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी. परिवर्तन के योग हैं.

कन्या- लेखनादि कार्यो में सफ्लता मिलेगी, मन में उत्साह बना रहेगा, वाद-विवाद से बचें, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, यश मिलेगा.

तुला- नया काम बनेगा, किसी तरह की चोट-मोच आदि से बचें, मांगलिक कार्य की ओर रूझान रहेगी, लेनदेन में लापरवाही से हानि होगी.

वृश्चिक- शत्रुओं पर विजय मिलेगी, दूर गये मित्र के संबंध में समाचार प्राप्त होगा, यश मिलेगा. आर्थिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा.

धनु- प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन की संभावना, आरोप प्रत्यारोप से बचें, पारिवारिक चिन्ता रहेगी, मित्र वर्ग आपकी भरपूर मदद करेंगे.

मकर- कोई महत्वपूर्ण समस्या दूर होगी, व्यापार लाभदायक रहेगा, खर्च की अधिकता होगी, बुजुर्ग के स्वास्थ्य की चिन्ता हो सकती है.

कुम्भ- राजकीय कार्यो में सफ्लता मिलेगी, नौकरी में लाभ प्राप्त होगा, अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा, साहस संयम से काम करें.

मीन- लाभकारी प्रस्ताव मिलेंगे, कोई आपसी व्यक्ति आपको भ्रमित कर सकता है, परिवर्तन के योग हैं, सामाजिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी.

SUDOKU 7175

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7174

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4